वार्तालाप–501, बम्बई, 27.1.08
Disc.CD No.501, dated 27.01.08 at Bombay

समय–33.50–34.35
जिज्ञासु– बाबा, ब्रह्मा सो विष्णु बोला है। विष्णु अर्थात वैष्णवी बोला है।
बाबा–हां जी।
जिज्ञासु–ब्रह्मा वैष्णवी में भी प्रवेश करता है और जगदम्बा में भी प्रवेश करेगा?
बाबा– ब्रह्मा वैष्णवी में नहीं प्रवेश करता है। ब्रह्मा जगदम्बा में प्रवेश करता है। क्या? जगदम्बा में जब तक संस्कार वैष्णवी के समान संस्कार न हो जाये तब तक जगदम्बा महालक्ष्मी नहीं कही जायेगी। महालक्ष्मी कब कही जाये? जब दोनों के संस्कार मिलकर एक हो जाये।

Time: 33.50-34.35
Student: Baba, it has been said that Brahma becomes Vishnu. It has been said that Vishnu means *Vaishnavi*.
Baba: Yes.
Student: Does Brahma enter in *Vaishnavi* as well as *Jagdamba* (the world mother)?
Baba: Brahma does not enter in *Vaishnavi*. Brahma enters in *Jagdamba*. What? Until *Jagdamba's sanskars* become equal to that of *Vaishnavi*, *Jagdamba* will not be called *Mahalakshmi*. When will she be called *Mahalakshmi*? When the *sanskars* of both of them unite and become equal.

समय–34.38–36.40
जिज्ञासु– बाबा जगदम्बा का जो पार्ट है सतयुग में उनका क्या पार्ट होगा? क्या रोल होगा?
बाबा– ऊँचा पार्ट एक बार लिया जायेगा, एक जन्म में लिया जायेगा या हर जन्म में लिया जायेगा? एक जन्म में। तो संगमयुग का मिला कर कितने जन्म होते हैं?
जिज्ञासु– 84 जन्म।
बाबा– सतयुग की बात कर रहे हैं। एक युग में एक आत्मा, एक ही बार ऊँचा पार्ट बजायेगी कि उसी युग में बार–बार ऊँचा पार्ट बजायेगी? एक ही बार ऊँचा पार्ट बजायेगी। तो सतयुग में जो भी रूद्रमाला के मणके हैं उनके नौ जन्म होते हैं या आठ जन्म होते हैं?
सभी– नौ जन्म।

Time: 34.38-36.40
Student: Baba, which part will *Jagdamba* play in the Golden Age? What will be her role?
Baba: Will a high role be played once, in one birth or in every birth? In one birth. So, how many births does she take including the birth in the Confluence Age?
Student: 84 births.
Baba: I am talking about the Golden Age. In one Age, will a soul play a high part only once or will it play a high role again and again in the same Age? It will play a high part only once. So, do all the beads of the rosary of *Rudra (Rudramala)* take nine births or eight births?
Everyone: Nine births.

बाबा– एक संगमयुग का एड करेंगे ना? तो जब संगमयुग में एक जन्म जगदम्बा यानी जगतपिता के साथ वाला जन्म हो गया। राज करेगा खालसा। क्या? सारी दुनिया पर राज कौन करेगा? जगदम्बा करेगी या लक्ष्मी करेगी? जगदम्बा सारी दुनिया पर राज करेगी। दीदी, दादी, दादाओं ने तो इतना राज्य किया ही नहीं है। जितना बड़ा कंट्रोलर गीता बनती है। लेकिन कब? जब पवित्र वृत्ति धारण कर ले। तो दोनों गीतायें मिलकर एक हो जायेगी।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

झूठी गीता भी सच्ची गीता हो जायेगी और सच्ची गीता तो सच्ची रहती ही है। लक्ष्मी, लक्ष्मी ही बनकर रहती है। लेकिन जगदम्बा महालक्ष्मी बन जाती है। कब? जब स्वभाव संस्कार से एक हो जाये।

Baba: You will add one birth of the Confluence Age, will you not? So, in the Confluence Age her one birth is as *Jagdamba* along with *Jagatpita* (the father of the world). *Raaj karega khalsa* (the pure one will rule). What? Who will rule the entire world? Will Jagdamba rule or will Lakshmi rule? Jagdamba will rule over the entire world. *Didi*, *Dadi*, *Dadas* have not ruled so much at all…… as much big controller Gita becomes. But when (does she become a big controller)? When she inculcates the pure vibrations, both the Gitas will unite to become one. The false Gita will also become the true Gita and the true Gita is anyways true. Lakshmi remains as Lakshmi. But *Jagdamba* becomes *Mahalakshmi*. When? When their nature and *sanskars* become one.

समय–47.07–47.47
जिज्ञासु– सिक्ख धर्म में पुरूष बाल नहीं कटाते है, स्त्रियों की तरह बड़े–बड़े बाल रखते हैं।
बाबा– हाँ, विकारियों से टक्कर लेने के लिए अंत तक विकारी रहना पड़े या निर्विकारी बनने से काम चल जायेगा? जो भी किश्चियन है, जो भी मुसलमान है उनसे ज्यादा टक्कर हिन्दुओं ने ली है या सिक्खों ने ली है? ज्यादा बलिदान किसने किए? सिक्खों ने किए। बाल का मतलब ही है.... बाल किसको होते हैं? विकारियों को होते हैं या निर्विकारियों को होते हैं? विकारियों को।

Time: 47.07-47.47
Student: Men do not get their hairs trimmed in Sikhism. They keep long hairs like women.
Baba: Yes, in order to face the vicious ones, will you have to remain vicious till the end or will it be ok if you become vice less? Have the Hindus faced the Christians [and] Muslims more or have the Sikhs faced them more? Who has made more sacrifices? The Sikhs. The very meaning of hair is.... who has hairs? Do the vicious ones have (hairs) or do the vice less ones have (hairs)? The vicious ones (have hairs).

समय–47.50–51.45
जिज्ञासु– बाबा मुरली में एक बात आई थी– बिना माँगे मिले सो दूध सम, माँग लिया सो पानी तो ये संस्कार अभी यहीं भर रहे हैं संगमयुग में। तो ये संस्कार कब भरता है कि जब वो द्वापर और कलियुग के ड्रामा में आता है तो उसमें वो लेने के संस्कार कहाँ से आ जाते हैं?

Time: 47.50-51.45
Student: Baba, a topic was mentioned in a *Murli*, whatever we obtain without asking for it, is like milk, whatever we ask for is water; So, these *sanskars* are being recorded now here in the Confluence Age. So, when are these *sanskars* recorded so that when a soul reaches the Copper Age and Iron Age of the drama, how do the *sankars* of asking for emerge in it?

बाबा– देखो डायरेक्शन यही मिला है। क्या? ईश्वरीय डायरेक्शन क्या मिला है? माँगने से मरना भला। ये नहीं कहा– छीनने से मरना भला। जो छीन के लेता है वो ज्यादा पाप कमाता है। कमाता है कि नहीं? चोरी करने वाला, डकैती करने वाला ज्यादा पाप कमाता है या माँगने वाला ज्यादा पाप कमाता है? चोरी और डकैती करने वाला ज्यादा पाप कमाता है। क्योंकि वो हिंसक भी बन गया और माँगने वाला हिंसक नहीं बना लेकिन अपनी आत्मा का

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

हनन कर लिया। क्या हनन कर लिया? उसका जो कुल की कान है वो खत्म हो गयी। यहाँ बाप पुरूषार्थ सिखाने आये है। कैसा पुरूषार्थ? माँगने से मरना भला। ऐसे पुरूषार्थी बनना है जो कोई से माँगने की दरकार न रहे। अपने लिये भी नहीं माँगना है और विश्व कल्याण के लिये भी नहीं माँगना है। भीख माँग के भक्ति नहीं करनी है, राजधानी स्थापन नहीं करनी है। तुम अपने पुरूषार्थ से अपने लिये राजधानी स्थापन करते हो।

Baba: Look, this is the direction received. What? What direction of God have we received? It is better to die than to seek. It has not been said, it is better to die than to snatch. The one who takes by snatching accumulate more sins. Does he accumulate (more sins) or not? Does the one who steals, the one who commits burglary accumulate more sins or does the one who seeks accumulate more sins? The one who steals and commits burglary accumulates more sins because he also became violent and the seeker did not become violent, but he killed his own soul. How did he kill? The respect of his clan is lost. Here the Father has come to teach us to make special effort for the soul (*purusharth*). What kind of *purusharth*? It is better to die than to beg. You have to become such *purusharthi* (maker of special effort for the soul) that there should not be any need to seek from anyone. You should not seek either for yourself or for the benefit of the world. You should not do *bhakti* (devotion) by begging or establish the capital by begging. You establish the capital for yourself through your own *purusharth*.

जिज्ञासु– ज्ञान धन के लिये भी ऐसा है?
बाबा– ज्ञान धन कोई देने वाले का है? कोई ऐसा व्यक्त पुरूष है, कोई व्यक्ति ऐसा है जो ज्ञान देने वाला है? है? ज्ञान देने वाला कौन है? (जिज्ञासु– शिवबाबा।) फिर?

Student: Is the same thing applied to the wealth of knowledge as well?
Baba: Does the wealth of knowledge belong to any giver? Is there any visible *(vyakta)* man, any person who is the giver of knowledge? Is there anyone? Who is the giver of knowledge? (Student: Shivbaba.) Then?

जिज्ञासु– लेकिन वो संस्कार जो है, द्वापर और कलियुग में जो आते हैं...
बाबा– उसके लिये भी बोला (दुसरे भाई से – इनकी अभी एक बात का जवाब) मुसलमान भीख मांगेंगे, अंत में। जिन मुसलमानों ने अभी ज्ञान को ठुकराया है... एडवांस पार्टी वाले ठुकराये जा रहे हैं ना? किनके द्वारा? इस्लामियों के द्वारा ठुकराये जा रहे हैं। उनको इसका प्रतिफल देना पड़ेगा आगे चलकर। क्या? वो ज्ञान की भीख मांगेंगे। हमको भी थोड़ा सुना दो। ऐसा क्यों हुआ? हं? ये भी भीख मांगना न पड़े। क्योंकि शिवबाबा आ करके स्वतः ही देता है या बच्चे भीख मांगते हैं तब देता है? प्रजापिता प्रश्नों का उत्तर देता है। क्या? खींच–खींच के बच्चे लेते हैं और बाप देता है। लेकिन शिवबाबा स्वतः ही देता है या मांगने से देता है? शिवबाबा तो खुद ही देता है। हम बच्चे पहले कुछ जानते थे क्या? जानते थे? उसने सब कुछ ब्रह्मा द्वारा दिया।

Student: But those *sanskars* (of begging) that emerges in the Copper Age and the Iron Age....
Baba: For that also, it has been said (to another brother - let me reply to his question now) (It has been said in the *Murlis*) Muslims will beg, in the end. The Muslims who have rejected the knowledge now....those who belong to the advance party are being rejected, are they not? By whom? They are being rejected by the Islamic people (among the Brahmins). They will have to give return for it in the future. What? They will beg for the knowledge (saying:) narrate some words to us too. Why did it happen like this? Hum? They should not beg, even for that

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

because, does Shivbaba come and give on His own or does He give on being begged by children? Prajapita gives the answers to the questions. What? Children obtain (the answers) forcibly and the father gives it. But does Shivbaba give (answers) on His own or does He give on being begged? Shivbaba certainly gives Himself. Did we children know anything earlier? Did we know? He gave everything through Brahma.

समय–55.22–56.25
जिज्ञासु– बाबा सिक्ख धर्म में पाँच चीजों की परहेज बताई है ना। बाल, कटयाल (कपाण), कड़ा। ज्ञान की कौनसी बात है जो उन्होंने स्थूल में उठाई है?
बाबा– जो कड़ा है वो कड़क उन्होंने नियम उठाया है पवित्रता का। भल सम्पन्न स्टेज की पवित्रता नहीं उठायी है लेकिन जो कड़ा है– एक नारी सदा ब्रह्मचारी। ये भी तो कड़क नियम है ना? इसलिये पावरफुल बन गये। और?
जिज्ञासु– कमीज।
बाबा– कमीज़ क्या?
जिज्ञासु– कमीज़ एक है। पाँच चीजें जो है उसमें कमीज़ भी एक आ जाता है।
बाबा– कंघा।
जिज्ञासु– कंघा?
बाबा– हां जी, कंघा माना बीच–बीच में बालों को काढ़ते रहना। ऐसे ना हो उलझ जाये। ज्ञान की जटायें अगर उलझी हुई होंगी तो तकलीफ होगी ना?

Time: 55.22-56.25
Student: Baba, five things have been mentioned as to be taken care of in Sikhism. Hairs, dagger, bangle; which aspect of knowledge have they grasped in a gross form?
Baba: As regards the *karaa* (wristlet), they have grasped the strict (*karak*) rule of purity. Although they have not adopted the purity of the complete stage, but the *karaa* of *ek naari sada brahmachari* (the one who weds only once and remains faithful). This is also a strict rule, isn't it? This is why they became powerful. And?
Student: *Kameez* (shirt).
Baba: What *Kameez*?
Student: *Kameez* (shirt) is one of them. *Kameez* is also included among the five things.
Baba: *Kangha* (comb).
Student: *Kangha*?
Baba: Yes, *kangha* means to comb the hairs at intervals. It should not happen that they become entwined. If the hair locks of the knowledge are entangled, it will cause trouble, will it not?

समय–56.30–57.35
जिज्ञासु– राज करेगा खालसा, मगर मातायें राज करेगी तो ये शूटिंग हो जायेगी ना यहाँ पर। जगदम्बा राज करेगी तो जगदम्बा की यहाँ पर शूटिंग हो गई ना मतलब उनके आधीन रहना पड़ेगा सबको।
बाबा– राज करेगा खालसा।
जिज्ञासु– हां जगदम्बा और उनके सहयोगी जब राज करेंगे। तो उनके आधीन रहना पड़ेगा सबको।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 56.30-57.35
Student: It is said that '*raaj karega khaalsa'* (the pure one will rule); but if the mothers rule, then this shooting will take place here, will it not? If *Jagdamba* rules, then *Jagdamba* performs that shooting here, doesn't she? Meaning, everyone will have to live under her.
Baba: *Raaj karega khaalsa.*
Student: Yes, when *Jagdamba* and her helpers rule, everyone will have to live under their control.

बाबा– सबको क्यों आधीन रहना पड़ेगा? सूर्यवंशी आधीन हो कर रहेंगे? जो प्रकृतिजीत होंगे, जो पहले ही प्रकृतिजीत हो चुके वो प्रकृति के आधीन होकर रहेंगे? अरे! माया के ही आधीन होकर नहीं रहे हैं तो माया भले प्रकृति से हाथ मिला ले तो भी जो प्रकृतिजीत है वो कभी भी आधीन नहीं बनेंगे। भूल जाओ।
जिज्ञासु– बाबा, जगदम्बा फिर राज कैसे करेगी?
बाबा– बस, और सारे दुनिया पर राज करेगी। जितना वो राज करेगी उतना बड़ा राज और कोई नहीं करता। फिर भी घरवाली किसकी कही जायेगी? (किसी ने कहा – प्रजापिता की।)

Baba: Why will everyone have to live under their control? Will the *Suryavanshis* (those belonging to the Sun dynasty) live under their control? Will those who are conquerors over nature *(prakritijeet)*, those who have already gained victory over nature remain under the control of the (mother) nature? Arey! When they have not remained under the control of *Maya* herself, then, even if *Maya* joins hands with the nature, those who are the conquerors of nature will never come under the control (of nature). Forget about it.
Student: Baba, then how will *Jagdamba* rule?
Baba: She will rule over the entire rest of the world; that is all. Nobody rules to the extent that she will rule. Even then, whose wife will she be called? (Someone said – of Prajapita.)

समय–57.38–58.03
जिज्ञासु– बाबा, नौ देवियों में प्रवेश करने वाली मम्मा की सोल या ब्रह्मा की सोल?
बाबा– छोटी मम्मी में.... जो भारत माता है उस भारत माता में ब्रह्मा की सोल प्रवेश करती है क्या? नहीं।

Time: 57.38-58.03
Student: Is it the soul of Mamma that enters the nine *devis* (female deities) or is it the soul of Brahma?
Baba: Does the soul of Brahma enter in the junior mother (*choti mammi*), the Mother India *(Bharat Mata)*? No.

समय–1.04.10
जिज्ञासु– बाबा, मुरली में कहा है कि सबसे बड़ा पाप है बेहद के बाप को पतित समझना, विकारी समझना।
बाबा– हां जी।
जिज्ञासु– बेहद के बाप दोनों को विकारी समझेगा। एक को पतित एक को पावन, तो भी पाप कहा जायेगा ना बाबा। एक को पतित एक को पावन समझेगा....
बाबा– कौन समझेगा?
जिज्ञासु– जिसकी दृष्टि ऐसी बनी हुई है निगेटिव।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 1.04.10
Student: Baba, it has been said in the *Murli* that the biggest sin is to consider the unlimited Father as sinful *(patit)*, as the vicious one *(vikari)*.
Baba: Yes.
Student: He will consider both the unlimited fathers as vicious. Baba, even if he considers one to be sinful and the other to be pure, it will be considered to be a sin, will it not be? He will consider one to be sinful and the other to be pure....
Baba: Who will consider it?
Student: The one who has such a negative view.

बाबा– कौन समझेगा? ये अंतर कौन करेगा? जो विधर्मी आत्मायें होंगी वो यहाँ भी अंतर करती रही है 63 जन्म और वहाँ भी अंतर करती रही है। वो भेद पैदा करने वाली आत्मायें हैं। हमारी भारतीय परम्परा में तो शुरूआत से ही यह माना गया, सगुणेः अगुणेः नहीं कछु भेदा, उभय हरै भव सम्भव खेदा। निराकार है कि साकार है, ये साकार है, ये निराकार है, ये भेद करना भेद बुध्दियों का काम है। हमको तो साकार में निराकार को याद करना है। हमारा प्रवृति मार्ग है। जो निवृत्ति मार्ग वाली आत्मायें होती है वो अलग–अलग करके देखेंगी और जो प्रवृत्तिमार्ग वाले होंगे उनके लिए जो साकार है सो ही निराकार है। जो निराकार है सो ही साकार है। आत्मा शरीर के बगैर काम नहीं कर सकती और शरीर आत्मा के बगैर काम नहीं कर सकता। जो भगवान को मानते ही नहीं है उनके लिये क्या कृष्ण और क्या राम और क्या भगवान शंकर और क्या शिव। हां, गॉड को मान लेंगे नास्तिक धर्म वाले भी कि गॉड भी कोई चीज होती है। हम नहीं है लेकिन गॉड ही मुख्य है।

Baba: Who will consider so? Who will create this difference? The *vidharmi* (those who have inculcations opposite to that said by the Father) souls have been creating differences here (in shooting) as well as for 63 births they have been creating difference there. They are the souls who create difference (between the the corporeal form and the incorporeal). In our Indian tradition, it has been considered from the very beginning, '*saguneh aguneh nahi kuchh bheda, ubhay harey bhav sambhav kheda'* (there is no difference between the corporeal and the incorporeal forms of God...). Is He the incorporeal one or the corporeal one; this is the corporeal one; this is the incorporeal one; to create this difference (of opinion) is the work of those with an intellect of making differences. We certainly have to remember the incorporeal One within the corporeal one. Ours is a path of household *(pravritti marg)*. The souls belonging to the path of renunciation *(nivritti marg)* will see them separately and for those who belong to the path of household the one who is corporeal is himself the incorporeal one. The incorporeal one is Himself the corporeal one. A soul cannot work without the body and the body cannot work without the soul. For those who do not believe in God at all, whether it is Krishna, whether it is Ram, whether it is God Shankar, whether it is Shiv; they do not have any value (for them). (But) yes, even those who belong to atheism *(naastik dharm)* will accept God that God is something. It is not we, but only God is important.

……..……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info